

लैंडफिल फायर एंड मटिगिशन

प्रलमिस के लयि:

लैंडफिल साइट्स, वायु प्रदूषण, भूजल संदूषण, जैविक उपचार ।

मेन्स के लयि:

लैंडफिल फायर एंड मटिगिशन, ठोस अपशषिट प्रबंधन ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ब्रह्मपुरम के आस-पास केरल के कोच्चि लैंडफिल साइट में आग लगी है , जो इस बात का संकेत है कि भारतीय शहरों को गर्मियों में इस तरह की अन्य आपदाओं हेतु तैयार रहने की ज़रूरत है ।

- लैंडफिल वे स्थान हैं जहाँ अपशषिट पदार्थों को जमा किया जाता है और लंबी अवधि हेतु मृदा से ढक दिया जाता है । इन साइटों को **भूजल**, सतह के जल और वायु से अपशषिट को अलग करके आसपास के पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने के लिये डिज़ाइन किया गया है ।

लैंडफिल साइट में आग लगने के कारण:

- असंसाधति अपशषिट:**
 - यह उम्मीद की जाती है कि गीले और सूखे अपशषिट को अलग-अलग संसाधति किया जाएगा एवं उप-उत्पादों का पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा । लेकिन भारत के शहरों में प्रसंस्करण की दर अपशषिट उत्पादन की दर की तुलना में बहुत कम है, इसलिये असंसाधति अपशषिट खुले लैंडफिल में लंबे समय तक रहते हैं ।
 - भारत की नगर पालिकाएँ शहरों में उत्पन्न अपशषिट का 95% से अधिक एकत्र कर रही हैं, लेकिन अपशषिट-प्रसंस्करण की दक्षता 30-40% सर्वोत्तम है ।
- उच्च कैलोरी मान:**
 - खुले में फेंके जाने वाले अपशषिट में कम गुणवत्ता वाले प्लास्टिक, चथिड़े एवं कपड़े जैसे ज्वलनशील पदार्थ जनिका कैलोरी मान अपेक्षाकृत अधिक होता है, शामिल होते हैं ।
 - गर्मियों में बायोडिग्रेडेबल अंश बहुत तेज़ी से खाद में परिवर्तित होता है, जिससे लैंडफिल का तापमान 70-80 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है ।
 - भारतीय नगरपालिका ठोस अपशषिट में लगभग 60% बायोडिग्रेडेबल सामग्री, 25% गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री और 15% अक्रयि सामग्री, जैसे- गाद एवं पत्थर शामिल हैं ।
 - उच्च तापमान + ज्वलनशील सामग्री = लैंडफिल में आग लगने का मौका । कुछ आग महीनों से चल रही है ।
- उष्ण या गर्म मौसम:**
 - गर्म एवं शुष्क मौसम की स्थिति में अपशषिट पदार्थ शुष्क और अधिक ज्वलनशील हो सकते हैं, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है ।

लैंडफिल फायर का प्रभाव:

- वायु प्रदूषण:** लैंडफिल फायर के परिणामस्वरूप कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC) सहित अनेक हानिकारक गैसों एवं कण हवा में मलि जाते हैं । ये प्रदूषक श्वसन संबंधी समस्याएँ उत्पन्न करते हैं, साथ ही अस्थमा और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों को बढ़ा सकते हैं तथा धुंध एवं अम्लीय वर्षा में योगदान दे सकते हैं ।
- भूजल संदूषण:** लैंडफिल फायर भूजल में ज़हरीले रसायनों और भारी धातुओं को छोड़ सकती है, जो आस-पास के जल स्रोतों को दूषित कर सकती है और संभावित रूप से जलीय पारस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचा सकती है ।
- मटिटी संदूषण:** लैंडफिल फायर मटिटी में हानिकारक रसायनों और भारी धातुओं को भी छोड़ सकती है, जो पौधे के विकास को नुकसान पहुँचा

सकती है तथा फसलों को दूषित कर सकती है।

- आर्थिक प्रभाव: लैंडफिल फायर के परणामस्वरूप स्थानीय सरकार के लिये सफाई लागत में वृद्धि हो सकती है, साथ ही आसपास के व्यवसायों और संपत्ति मालिकों को आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।

लैंडफिल फायर को कैसे प्रबंधित किया जा सकता है?

- स्थायी समाधान:
 - लैंडफिल कैपिंग और क्लोजिंग:
 - मटिटी का उपयोग कर सामग्री को पूरी तरह से ढक कर वैज्ञानिक वधियों द्वारा लैंडफिल को बंद करके।
 - यह समाधान भारतीय संदर्भ में अनुपयुक्त है क्योंकि भूमिका उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिये पुनः नहीं किया जा सकता है।
 - बंद लैंडफिल में वशिष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएँ शामिल हैं, जिनमें मीथेन उत्सर्जन का प्रबंधन शामिल है।
 - जैविक उपचार:
 - **जैविक उपचार** के माध्यम से अपशिष्ट के ढेर को साफ करके।
 - प्रदूषित स्थल को साफ करने के लिये पर्यावरण प्रदूषकों का वधितति करने और उन्हें वधितति करने के लिये जैवोपचारण स्वाभाविक रूप से या जान-बूझकर सूक्ष्मजीवों का उपयोग है।
 - हालाँकि जैवोपचारण परियोजना को लागू करने में आमतौर पर दो या तीन वर्ष तक का समय लगता है, जिससे गर्मियों में लैंडफिल फायर के लिये एक अल्पकालिक समाधान की आवश्यकता होती है।
- तत्काल समाधान:
 - पहली तत्काल कार्रवाई अपशिष्टों की प्रकृति के आधार पर साइट को ब्लॉकों में विभाजित करना है।
 - प्रत्येक साइट पर ताज़ा अपशिष्ट वाले ब्लॉकों को ज्वलनशील सामग्री वाले ब्लॉकों से पृथक करना चाहिये।
 - जनि ब्लॉकों को मटिटी से ढक दिया गया है उनमें आग लगने की संभावना कम होती है, इसलिये ऐसे हस्सों को भी अलग कर देना चाहिये।
 - विभिन्न ब्लॉकों को आदर्श रूप से एक नाली या मटिटी के बाँध का उपयोग करके अलग किया जाना चाहिये और प्रत्येक ब्लॉक को मटिटी की एक परत से ढकना चाहिये।
 - इससे एक ही लैंडफिल के भीतर फायर/आग के पूरे ब्लॉक में फैलने की संभावना कम हो जाती है।
 - इसके अलावा लैंडफिल के सबसे कमज़ोर हस्सों को बहुत सारे प्लास्टिक और कपड़े से ढक देना चाहिये तथा उनके ऊपर मटिटी डाल देनी चाहिये।
 - ताज़ा अपशिष्ट ब्लॉक को बंद नहीं करना चाहिये लेकिन पानी छड़िक कर पर्याप्त नमी प्रदान की जानी चाहिये जो अपशिष्टों के ढेर को ठंडा करने में मदद करेगी।
 - एक बार साइट को ब्लॉकों में विभाजित करने के बाद लैंडफिल ऑपरेटर को साइट पर एकत्रित होने वाले अपशिष्टों को वर्गीकृत करना चाहिये और मशरति अंशों को नामति ब्लॉकों में नपिटान करना चाहिये।
 - पहले से ही पृथक किये गए गैर-पुनर्रनवीनीकरण योग्य और गैर-जैव नमिनीकरणीय अपशिष्टों को जमा होने देने के बजाय सीमेंट भट्टियों में डाल देना चाहिये।
 - साइट से सूखी घास सामग्री और सूखे पेड़ों को भी तुरंत हटा देना चाहिये।

आगे की राह

- शहरों में एक संगठित अपशिष्ट-प्रसंस्करण प्रणाली सुनिश्चित की जानी चाहिये, जहाँ गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग संसाधित किया जाए तथा उनके उप-उत्पादों को उचित रूप से संभाला जाए। यही एकमात्र दीर्घकालिक एवं प्रभावी समाधान (पुनर्रचरण, मटिटी का संवर्द्धन आदि) है।
 - इसमें नगर पालिकाओं और अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई संचालकों सहित कई हतिधारकों के सहयोग की आवश्यकता होगी।
- चूँकि भारत में गर्मी समय पूर्व ही शुरू हो चुकी है, यह देखते हुए नगर पालिकाओं को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगजनी के प्रकोप को रोकने के लिये त्वरति अल्पकालिक उपायों को लागू करना चाहिये।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

Q11. भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नयिम, 2016 के अनुसार, नमिनलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2019)

प्रश्न. भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नयिम, 2016 के अनुसार, नमिनलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2019)

- अपशिष्ट उत्पादक को कचरे को पाँच श्रेणियों में पृथक करना होता है।
- नयिम केवल अधसिचति शहरी स्थानीय नकियाओं, अधसिचति कस्बों और सभी औद्योगिक टाउनशिपि पर लागू होते हैं।
- लैंडफिल और अपशिष्ट प्रसंस्करण सुवधाओं हेतु साइटों की पहचान के लिये नयिम सटीक तथा वसितृत मानदंड प्रदान करते हैं।
- अपशिष्ट उत्पादक के लिये यह अनविर्य है कि एक ज़ल्लि में उत्पन्न अपशिष्ट को दूसरे ज़ल्लि में नहीं ले जाया जा सकता है।

उत्तर: (c)

Q12. भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नयिम, 2016 के अनुसार, नमिनलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2019)

प्रश्न. भारी मात्रा में लगातार उत्पन्न हो रहे ठोस अपशिष्ट के नसितारण में क्या बाधाएँ हैं? हम अपने रहने योग्य परविश में जमा हो रहे ज़हरीले अपशिष्ट को सुरक्षति तरीके से कैसे हटा सकते हैं? (2018)

स्रोत: द हद्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/landfill-fires-and-mitigation>

